(ख) उन्हें कलकत्ता, दिल्ली, जालंधर, मद्रास और पूना में संस्थापित किया गया है।

मृत सैनिकों के बच्चों को छात्रवृत्तियां

४४०. **श्री ओंकारलाल बेरवा :**
श्री धवन :
श्री गो० महन्ती :

क्या प्रतिरक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने मृत सैनिकों के बच्चों को छात्रवृत्तियां देने का फैसला किया है ;

(ख) यदि हां, तो विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों को कितनी-कितनी छात्रवृत्तियां दी जायेंगी ;

(ग) ये छात्रवृत्तियां किस तारीख से दी जायेंगी ; और

(घ) ये छात्रवृत्तियां किस निधि से दी जायेंगी ?

प्रतिरक्षा मंत्रालय में उपमंत्री (श्री दा० रा० चव्हाण) : ( ) जी हां। लारेंस स्कूलों, किंग जार्ज स्कूलों, सैनिक स्कूलों अथवा दूसरे मान्यता प्राप्त स्कूलों में युद्ध में काम आए अफसरों के बच्चों को २५ छात्रवृत्तियां प्राप्त है, और २५ छात्रवृत्तियां अफसरों के अतिरिक्त युद्ध में काम आए, सेवाओं के सेविवर्ग के बच्चों के लिए किंग जार्ज स्कूलों में प्राप्य है।

(ख) काम आए अफसरों के बच्चों के लिए छात्रवृत्ति १८०० रुपये वार्षिक प्रत्येक बच्चा है, अथवा स्कूल द्वारा ली गई वास्तविक फीस, दोनों में से जो भी कम हो। अफसरों के अतिरिक्त युद्ध में काम आए सेवाओं के सेविवर्ग के बच्चों के लिए, इन में शामिल है निशुल्क शिक्षा और खानपान, पाठ्य पुस्तकें, यथा संभव किंग जार्ज स्कूलों में चिकित्सा, सामान तथा वस्त्र।

(ग) छात्रवृत्तियां सम्बंधित व्यक्ति की मृत्यु की तिथि से लागू हो सकती हैं।

(घ) इन छात्रवृत्तियों के लिए कोई अलग निधि नहीं है। यह प्रतिरक्षा सेवाओं के एस्टीमेट्स से अदा की जाती हैं।

MIG Fighters from Russia

441. **Shri Hari Vishnu Kamath:**
Shri P. R. Chakraverti:
Shri Sidheshwar Prasad:
Shri D. D. Puri:

Will the Minister of **Defence** be pleased to state:

(a) the number of MIG fighter aircraft which the Russian Government contracted in 1962 to deliver;

(b) the number so far delivered; and

(c) when the remainder are expected?

The Minister of Defence (Shri Y. B. Chavan): (a) to (c). Six MIG aircraft have already arrived in the country. It is regretted that the information regarding the number of aircraft which the USSR has agreed to supply and the dates of their delivery cannot be disclosed in the public interest.

Beacon Project in Ladakh

442. **Shri Hari Vishnu Kamath:** Will the Minister of **Defence** be pleased to state:

(a) the period from which 'Beacon' project in Ladakh has been operating;

(b) the nature of its activities; and

(c) the progress registered so far?

The Minister of Defence (Shri Y. B. Chavan): (a) Reconnaissance, survey and other preparatory work started in June 1960 but construction started in full swing from May 1961.

(b) and (c). The following are the main activities of and progress achieved so far by the Chief Engineer, Project Beacon:—